

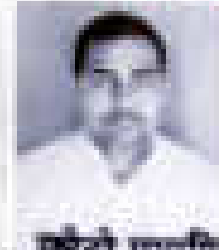
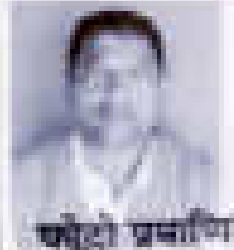
IV 10/20

10



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

FX 383359



सुरेश सिंह
 पौरो प्रमाणित
 संपूर्ण भारत एवं विदेश
 जालपुर, जम्शेदपुर

पौरो प्रमाणित
 संपूर्ण भारत एवं विदेश
 जालपुर, जम्शेदपुर

पौरो प्रमाणित
 संपूर्ण भारत एवं विदेश
 जालपुर, जम्शेदपुर

राजन सिंह मेमोरियल ट्रस्ट

मैं सुरेश सिंह पुत्र स्व. श्री हरिमोहन सिंह राम व पौस्ट- कन्हरिया, परगना-
 बिबहर, तहसील - जालपुर, जिला- जम्शेदपुर नगर का निवासी हूँ। मैं इस ट्रस्ट
 को 11000 (ग्यारह हजार रुपये) समर्पित करता हूँ जो इस ट्रस्ट की निधि होगी। इस
 ट्रस्ट का नाम चतुर्वेद्य कार्य एवं कार्यविधि चदाधिकारीणम्, सधन्य निम्न्यत होवे।

- ट्रस्ट का नाम- राजन सिंह मेमोरियल ट्रस्ट
- ट्रस्ट का कार्यालय - राम व पौस्ट- कन्हरिया, तहसील- जालपुर, जिला-
जम्शेदपुर नगर
- ट्रस्ट का कार्यालय- संपूर्ण भारत एवं विदेश
383359/20

सुरेश सिंह



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

FK 383358

ट्रस्ट की उद्देश्य एवं कार्य-

1. सामान्य एवं उच्च तकनीकी, कृषि शिक्षा संस्थान, कृषि विकास के लिए कृषि कार्य करना, जलसिंचनीय बीजों को उत्पादित करना, मुक्ति भूदान, जल संचयन, कृषक सुधार, कृषि परामर्श, वृद्धारोपण एवं विकास सम्बन्धित कार्य, कृषि कर्म-विकास करना, कृषि विज्ञान केन्द्र कृषि विद्यालय आदि स्थापित करना एवं संचालित करना एवं पर्यावरण प्रदूषण को निवारण हेतु प्रयास करना, शिक्षण कार्य विज्ञान पर शोध कार्य करना।
2. समाज की अशिक्षित बालक/बालिकाओं को शिक्षा के साधन उपलब्ध कराना, विभिन्न प्रकार के विद्यालयों का नामकरण करके हुए विज्ञानिर्देश के साथ स्थापना करना एवं शिक्षा प्रदान करना।
3. शैशव एवं मरीच बालक/बालिकाओं को शिक्षा प्रदान करने हेतु छात्रवृत्ति उपलब्ध कराना बालक/बालिकाओं को रोजगार में सहायक, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराना और राष्ट्रीय शिक्षण संस्थाओं की स्थापना और उनका संचालन करना।
4. समाज को श्रेष्ठ चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध कराना, बच्चों के लिए छात्रवृत्ति विद्यालय, चिकित्सालय एवं रोजगारव्यक्त शिक्षा संस्थान खोलना, बनवाना तथा पुस्तकालय एवं वाचनालय की स्थापना व उनका संचालन करना।
5. सामाजिक उद्देश्यों वाली संस्थाओं को अपने ट्रस्ट से सम्बद्ध करना और उनका सहयोग करना एवं सहयोग हेतु समाजसेवी संस्थाओं एवं बन्धुओं को

जुगल सिंह





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

FK 383360

- पुरस्कृत करना अनियत पूरा स्थल निर्माण एवं पढ़-पढ़ाव करना, महावीर देना तथा उद्देश्यों में सहायक या उनके अनुसंगिक कोई भी वैधानिक कार्य करना।
8. अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, जनजातियों तथा सभी समुदाय के परीक्ष जैसी के लिए विशेष शिक्षण संस्थान व्यवस्था करना तथा उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाने हेतु विशेष प्रकार के योजनाएं परक प्रशिक्षण इत्यादि का कार्य करना।
 9. भारतीय संविधान के अन्तर्गत अनुसूचित समुदाय का हित निर्धारित हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य-संविधान, युवा एवं युवा युवतियों व बहिनियों के सम्पूर्ण सर्वांगीण विकास हेतु ज्ञान-विज्ञान एवं तकनीकी, शारीरिक, मानसिक, कलात्मक साहित्यिक, सामाजिक एवं नैतिक शिक्षा प्रदान करने हेतु शिक्षण प्रशिक्षण कार्य का स्थापना कर संभालना करना।
 10. मूल, साक्षर, अन्य, विकलांग, मंद बुद्धि, अल्प शिक्षा, युवा एवं विरहित एवं अन्य कमजोर व्यक्तियों हेतु कल्याणकारी कार्य का संभालना करना।
 11. खादी और पारंपरिक कारखानों को कार्यक्षम बनाना। औद्योगिक एवं कृषि सुगम्य जीवधियाँ, पौधों तथा कुशलतापूर्वक जीवों व वनस्पतियों का संभालना, सर्वान एवं पारंपरिकीय साकर बीजों का उत्पादन तथा उसके वितरण हेतु कार्य चालना।
 12. पर्यटन व अविविधिता ऐतिहासिक, पुरातात्विक एवं सांस्कृतिक स्थापना के स्थापना की पर्यटन करना तथा उनके संभालना की व्यवस्था करना।

पुस्तक क्र. 383360



भारतीय गैर न्यायिक

पचास
रुपये

रु. 50



FIFTY
RUPEES

Rs. 50

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BR 604151

11. प्रदेस सरकार, केन्द्र सरकार तथा राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर की संस्थाएँ द्वारा चलाये जाने वाले समाज के कल्याण हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का विनियोजन सुनिश्चित करना व उन्हें सफल बनाना।
12. समाज के कल्याण हेतु विभिन्न प्रकार की आर्थिक योजनाएँ संचालित करना।
13. ट्रस्ट की उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अनुदान स्थायी निकटवीं सारकारी एवं गैरसरकारी एवं आस्थान विभागों से धुट एवं सहायता प्राप्त करना।
14. ट्रस्टों को हर क्षेत्र में कार्य करना।
15. सभी सदस्यों का अधिकार बराबर होगा।
16. अध्यक्ष का चुनाव सदस्यों द्वारा होगा एवं सदस्य भी सदस्यों की सहमती से अध्यक्ष हो सकता।
17. ट्रस्ट की पास कोई अपील सम्पत्ति नहीं है।

ट्रस्ट के धन विनियोग—

1. ट्रस्ट के धन का विनियोग आयकर विभाग की धारा 11/5 एवं अन्य अधिनियमों के उद्देश्यों के लिए किया जायेगा।
2. परामुखा उद्देश्यों की पूर्ति के लिए धन संग्रह करना सहायता लेना व देना, ब्याज रहित व ब्याज सहित ऋण लेना व देना आवश्यक खरीदना व बेचना, निर्माण करना, लीज पर देना व लेना, बैंक खातों एवं अन्य जो भी आवश्यक कार्य हो उन्हें करना।

सुरेश सिंह



भारतीय गैर न्यायिक

पचास
रुपये

₹.50

FIFTY
RUPEES

Rs.50

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BN 604152

1. ट्रस्ट के सदस्यों की पूर्ति के लिए ट्रिस्ट में घन व अल्प अथ व विरुद्ध एवं विनिष्प, पट्टा, किन्तु पर या अन्य किसी प्रकार के सू-सम्पत् कर्तन या कोई घन व अल्प सम्पत्ति प्राप्त करना या उससे वादस्ताव करना।
2. ट्रस्ट के सदस्यों की पूर्ति के लिए ट्रस्ट की किसी भी घन व अल्प सम्पत्ति का विरुद्ध अल्प सम्पत्ति, विनिष्प, बन्धक दृष्टि बन्धक, पट्टे, गिर्नी या किसी भी शक्ति निष्ठाया या अन्य किसी भी प्रकार से उपयोग में लाना।

ट्रस्ट मन्डल—

1. ट्रस्ट का एक स्थायी मन्डल होगा, जिसमें सदस्यों की संख्या किसी दशा में 2 से कम और 11 से ज्यादा न होगी। इन्हीं स्थायी सदस्यों में से प्राधिकारियों की नियुक्ति होगी। ट्रस्ट में स्थायी सदस्यों क नियुक्ति की आवश्यकतानुसार की जा सकती। ऐसे सदस्यों का कार्यकाल उनकी नियुक्ति से 3 वर्ष का होगा, परन्तु उनकी पुनर्नियुक्ति भी सम्भव होगी।
2. ट्रस्ट का स्थायी एवं अस्थायी सदस्यों की नियुक्ति अज्जल द्वारा ही की जायेगी।
3. स्थायी सदस्यों में से किसी का स्थान रिक्त होने पर उनके स्थान पर नियुक्ति अज्जल द्वारा ही जायेगी।
4. ट्रस्ट का संरक्षक किसी भी स्थायी व अस्थायी सदस्य की अज्जल द्वारा नियुक्त किया जायेगा। तथा उसका कार्यकाल अधिकतम 3 वर्ष का होगा और उसकी पुनर्नियुक्ति भी सम्भव होगी।

सुदेश सिंह



भारतीय गैर न्यायिक

पचास
रुपये

रु. 50

FIFTY
RUPEES

Rs. 50

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BB 604153

1. दण्ड के अन्वय का कारोबार अजीवन होगा। उसके परोक्षपरत दण्ड के सदस्यो ने से सदस्यो द्वारा अन्वय निपुणत किया जायेगा।
2. दण्ड के सेक्रेटरी का कार्यकाल 5 वर्ष रहेगा। इसकी पुनर्निर्भुक्ति भी सम्भव होगी।
3. दण्ड में कोषधन की निपुक्ति 5 वर्ष के लिए अन्वय द्वारा की जायेगी। इसकी पुनर्निर्भुक्ति भी सम्भव होगी।
4. दण्ड के उद्देश्यो की पूर्ति के लिए किसी सरकारी/पैराललकारी मन्त्रो ने अन्वय किसी विरोध संस्थान का बैक से ऋण लेने की दशा में दण्ड के अन्वय के साथ सीकेटी या कोषधन में से किसी एक के संपुनत हस्ताकर द्वारा ही सम्भव दस्तावेजो का निष्पदन किया जायेगा।
5. दण्ड मन्त्राल में कोई भी पद किसी भी कारण से रिक्त होता है तो अन्वय द्वारा नामित व्यक्ति से ही भर जायेगा।
6. दण्ड मन्त्राल के मध्य अनिर्णय या किसी विवाद की स्थिति में अन्वय द्वारा साविकेक से निर्णय किया जा सकता है, जो अन्तिम एवं सर्वमान्य होगा।
7. दण्ड मन्त्राल के द्वारा सिधे नये सभी निर्मातो एवं कार्यों का क्रियान्वयन दण्ड के अन्वय के द्वारा अन्वय उसको द्वारा अधिकृत व्यक्तियो के द्वारा ही किया जायेगा।
8. किसी भी विषय पर मन्त्राल की स्थिति में अन्वय को एक अनिर्णय मा देने का विशेषाधिकार होगा।

सुविधा सिद्ध



भारतीय गैर न्यायिक

पचास
रुपये
रु.50



FIFTY
RUPEES
Rs.50

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BN 604154

13. अस्थायी ट्रस्टों की भूमिका मात्र परामर्श की होगी तथा उन्हें मालिक का अधिकार नहीं होगा।
14. निम्नलिखित परिस्थितियों उत्पन्न होने पर सम्बद्ध ट्रस्ट का पद रिक्त बना जायेगा—
 - क- त्याग-पत्र देने एवं अन्ततः द्वारा स्वीकार कर लिये जाने पर।
 - ख- नैतिक पतन से सम्बद्ध कारणों से साक्ष्य होने पर।
 - ग- मन एवं बुद्धि अथवा सार्वजनिक कर्तव्य से अलग हो जाने पर।
 - घ- दिवंगत घोषित होने पर।
 - च- ट्रस्ट की बैठकों में लगातार तीन बार अनुमति लिये बिना अनुपस्थित रहने पर।
 - ज- मृत्यु हो जाने पर।
15. ट्रस्ट के न्यायी के अन्ततः देव की की सेवा पूजा व धार्मिक अनुष्ठान हेतु ट्रस्ट, आवश्यक एवं योग्यता पर अल्पवित्त होगा।

सुरेश सिंह



भारतीय गैर न्यायिक

पचास
रुपये
रु.50



FIFTY
RUPEES
Rs.50

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BN 604155

दस्तावेज के निम्नलिखित स्वामी सदस्य एवं सदस्यिकारीयता होंगे

क्र. सं.	नाम	पता	आयु	पद
1	सुरेश सिंह पुत्र एम. श्री हरिभोहन सिंह	ग्राम व पोस्ट- कम्हरिया, तहसील-आलापुर, अम्बेडकर नगर	58	संस्थापक एवं अध्यक्ष
2	विजय सिंह पुत्र श्री अरविन्द सिंह	ग्राम व पोस्ट- कम्हरिया, तहसील-आलापुर, अम्बेडकर नगर	23	संयोजक
3	अरविन्द सिंह पुत्र श्री सुरेश सिंह	ग्राम व पोस्ट- कम्हरिया, तहसील-आलापुर, अम्बेडकर नगर	20	संयोजक
4	विभाज सिंह पुत्र श्री अरविन्द सिंह	ग्राम व पोस्ट- कम्हरिया, तहसील-आलापुर, अम्बेडकर नगर	21	सदस्य दस्ता
5	जाशुगोष सिंह पुत्र श्री सुरेश सिंह	ग्राम व पोस्ट- कम्हरिया, तहसील-आलापुर, अम्बेडकर नगर	19	सदस्य दस्ता
6	अरविन्द सिंह पुत्र एम. श्री हरिभोहन सिंह	ग्राम व पोस्ट- कम्हरिया, तहसील-आलापुर, अम्बेडकर नगर	88	सदस्य दस्ता
7	जमा सिंह पत्नी श्री अरविन्द सिंह	ग्राम व पोस्ट- कम्हरिया, तहसील-आलापुर, अम्बेडकर नगर	80	सदस्य दस्ता

सुबेदा सं. 2

भारतीय गैर न्यायिक

पचास
रुपये

रु.50



FIFTY
RUPEES

Rs.50

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BR 604156

अध्यास के अधिकार एवं कर्तव्य—

1. ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति किसी भी कर्मचारी/सदस्य, मैनेजमेंट कमेटी की/ वैयक्तिक/अवैयक्तिक नियुक्ति/पदाभ्युत्थन करना।
2. ट्रस्ट की नीतियों का निर्धारण करना।
3. ट्रस्ट वार्षिक बजट को स्वीकृत देना।
4. लेखा पुस्तकें, आय-व्यय खाता, विवरण एवं ऑडिटर की रिपोर्ट पर विचार व स्वीकृति देना एवं अगले साल के लिए ऑडिटर की नियुक्ति करना।
5. ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए आय लेना-देना, खर्च रखना, पट्टा लेना व देना, घस -अधल सम्पत्तियों का क्रय-विक्रय, निर्माण आदि करना।
6. ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए देश-विदेश से महाजला लेना व देना।
7. कोई भी ऐसा कार्य करना जो ट्रस्ट के हित में आवश्यक हो।
8. ट्रस्ट की बैठकें आयोजित करना या कलना एवं उसकी अध्यक्षता करना।
9. ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को ट्रस्ट से प्राप्त करने का अधिकार होगा।
10. ट्रस्ट के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए किये गये सभी प्रकार के व्यय को ट्रस्ट से प्राप्त करने का अधिकार होगा।

सुरेश मिश्र



भारतीय नैर न्यायिक

पचास
रुपये
रु.50



FIFTY
RUPEES
Rs.50

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

88 604157

1. दस्त के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किसी भी प्रकार के जमाने लेने अथवा अन्य किसी भी प्रकार के सरकारी या नैर सरकारी दस्तावेजों का निष्पादन करना या कराना।
2. दस्त के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए विद्यालय एवं संस्थाओं का नामकरण करके उसकी स्थापना करना एवं जमाने-जमाने किया संस्थाओं की जमाने-जमाने करने की गतिविधि करके संचालित करना।

सिमेंटी के अधिकार एवं कर्तव्य-

1. जमाने के पत्रावली से दस्त संचालन की बैठक आयोजित करना।
2. दस्त के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए पत्र-व्यवहार करना व कराना।
3. वार्षिक रिपोर्ट तैयार करना।
4. लेखा-पुस्तकों को तैयार करना व कराना।
5. दस्त की सभी गतिविधियों से दस्त संचालन को अवगत करना।
6. दस्त के उद्देश्यों के लिए धन संचय करना।
7. दस्त के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किसी भी प्रकार से जमाने लेने अथवा किसी भी प्रकार के सरकारी/नैर सरकारी दस्तावेजों का निष्पादन करना।
8. अन्य सभी कार्य जो जमाने के द्वारा सीधे जाये जारी करना।

सोपानिका के अधिकार एवं कर्तव्य-

1. दस्त के द्वारा अभिलेखित किये गये आय एवं व्यय का हिसाब-किताब रखना।

सुरेश चंद्र



भारतीय गैर न्यायिक

पचास
रुपये

₹.50

FIFTY
RUPEES

Rs.50

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BN 604158

1. लेखा-पुस्तकों को आवधिक करना एवं ट्रस्ट मण्डल को समझ प्रस्तुत करना।
2. ट्रस्ट से संबंधित सभी प्रकार के कानूनी मामलों को अदालत के निर्देशानुसार ही देखना एवं निस्तारण करना।
3. वार्षिक बजट तैयार करके ट्रस्ट मण्डल को समझ प्रस्तुत करना एवं अदालत से मीटिंग करना।
4. ट्रस्ट के उद्देश्यों के लिए धन संग्रह करना।
5. ट्रस्ट मण्डल की सभी बैठकों में उपस्थित रहना।
6. ट्रस्ट उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए किसी प्रकार का खर्च लेने अथवा अन्य किसी भी प्रकार के सरकारी/गैरसरकारी दस्तावेजों का निष्काशन करना।
7. अन्य सभी कार्य जो अदालत के द्वारा सीने जाये उसे करना।

ट्रस्ट मण्डल के सदस्यों के अधिकार एवं कर्तव्य-

1. ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए विभिन्न प्रकार के विद्यालयों की स्थापना करवाने जिससे सामान्य एवं उच्च तकनीकी शिक्षा, कृषि शिक्षण संस्थान की स्थापना की स्थापना के लिए इत्यादि को सहायता करके ट्रस्ट की सहायता करना।
2. ट्रस्ट के अदालत द्वारा सीने गये कार्य की विधि पूर्वक सम्पान कराने में मग्न रहना।

सुवेरा सिंह



भारतीय गैर न्यायिक

पचास
रुपये
रु.50



FIFTY
RUPEES
Rs.50

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BN 604159

ट्रस्ट सम्बन्ध में सदस्यों के अधिकार एवं कर्तव्य—

1. ट्रस्ट के उपदेशों की पूर्ति के लिए विभिन्न प्रकार के विद्यालयों की स्थापना करवाने जिससे सामान्य एवं उच्च तकनीकी शिक्षा, कृषि विद्यालय संस्थान की स्थापना के लिए इत्यादि को उल्लेख करने के ट्रस्ट की सहायता करना।
2. ट्रस्ट के अध्यक्ष द्वारा सभी नये कार्यों की विधि पूर्वक सम्पन्न कराने में सहाय्य करना।

ट्रस्ट के कोषों का संभालन —

1. ट्रस्ट के सभी प्रकार के कोषों एवं बैंक खातों का संभालन अध्यक्ष के साथ निदेशक या कोषपाल में से किसी एक की संयुक्त हस्ताक्षर द्वारा ही किया जायेगा।
2. ट्रस्ट का खाता किसी भी सहायकी बैंक / राष्ट्रीयकृत बैंक में खोला जायेगा।

ट्रस्ट की बैठक—

1. वर्ष में कम से कम एक बार ट्रस्ट की बैठक अवश्य बुलाई जायेगी। इसके लिये सदस्यों को कम से कम एक सप्ताह पहले सूचना देनी होगी।
2. आवश्यकता पड़ने पर अध्यक्ष द्वारा 24 घण्टे की सूचना पर विशेष बैठक बुलाई जा सकती है।

सुनिता सिंह



भारतीय गैर न्यायिक

पचास
रुपये
रु.50



FIFTY
RUPEES
Rs.50

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BN 604160

विलीय वर्ष-

दण्ड का विलीय वर्ष 01 अप्रैल से आरम्भ होकर प्रत्येक वर्ष की 31 मार्च का समाप्त होगा।

बैंक एकाउन्ट-

अवकाश द्वारा दण्ड को नाम किली की सरकारी बैंक/राष्ट्रीयस्त बैंको में खरल खोलल जावेगा, जिसका संवाहन दण्ड की अवकाश अवकाश उनको द्वारा मण्डल में से नामित व्यक्ति द्वारा किया जावेगा।

1. वर्तमान अवकाश सिविलेटी, वीषावकाश घर, अथवा सम्पत्ति को क्रय, विक्रय, दान, रेल, सेवाक का अधिकार होगा।
2. सभी दण्ड में महाधिकारी व सदस्य मसलन बाव मसलत होगी।

सुवेधा सिंह



719-51-218
 218-51-218
 218-51-218

संविधान के अनुसूचिकाएँ

सी. नं. 1 संविधान सं. 21 01-11-2016

विधान संख्या 211 द्वारा 11 अनुसूची में संशोधन के अन्तर्गत संविधान सं. 21 का नाम है।
 नाम: सुप्रीम कोर्ट

डी. सुभाष शर्मा, एम. ए. संविधान विभाग

सि. नं. 1/2016/संविधान विभाग, सं. 11
 सं. 11/2016



डी. सुभाष शर्मा, एम. ए. संविधान विभाग
 सं. 11/2016

डी. सुभाष शर्मा, एम. ए. संविधान विभाग

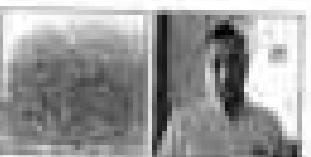
सि. नं. 1/2016/संविधान विभाग, सं. 11
 सं. 11/2016



सं. 11/2016

डी. सुभाष शर्मा, एम. ए. संविधान विभाग

सि. नं. 1/2016/संविधान विभाग, सं. 11
 सं. 11/2016



संविधान विभाग

डी. सुभाष शर्मा, एम. ए. संविधान विभाग
 सं. 11/2016

संविधान विभाग
 सं. 11/2016



भारतीय गैर न्यायिक



भारत गैर न्यायिक

10AE 481573

दस्तावेज की प्रतियों की पूर्ति के लिए उपयोगी घोषणा-पत्र में समस्त समस्त पर
संशोधन/परिवर्तन, परिवर्तन अथवा द्वारा किया जा सकता है। मैं एतद्वारा भारतीयों
की उपस्थिति में नीचे अपने हस्ताक्षर कर इस दस्तावेज की घोषणा-पत्र का निष्पादन
करता हूँ।
सदस्यकर्ता- प्रमोद कुमार

दिनांक-

सुदेश सिंह

(सुदेश सिंह)

सुदेश सिंह

मैं प्रमोद कुमार सिंह को
उक्त गैर-न्यायिक दस्तावेज का
उपरोक्त कर्तव्य का
निष्पादन करने के लिए
अनुमति देता हूँ।
3450215532

मैं सुदेश कुमार सिंह को
उक्त गैर-न्यायिक दस्तावेज का
उपरोक्त कर्तव्य का
निष्पादन करने के लिए
अनुमति देता हूँ।
3450215532

9/13 का 10 का 12-2-2

सि.प्रा.वि.ए. गणेशविनायक ट्रेड प्रामो-मन्थरीया

आवेदन सं- 1018000000000000

संविधान सं- 1018000000000000

संविधान सं- 1018000000000000
संविधान सं- 1018000000000000

वही संख्या 4 वि.संख्या 18 के पूरे 141 से 148 तक का
आ आ दि.सं. 18/02/2020 की सविदीकृत किताब पर।

संविधान सं- 1018000000000000
संविधान सं- 1018000000000000

संविधान सं- 1018000000000000

संविधान सं- 1018000000000000
संविधान सं- 1018000000000000
संविधान सं- 1018000000000000

